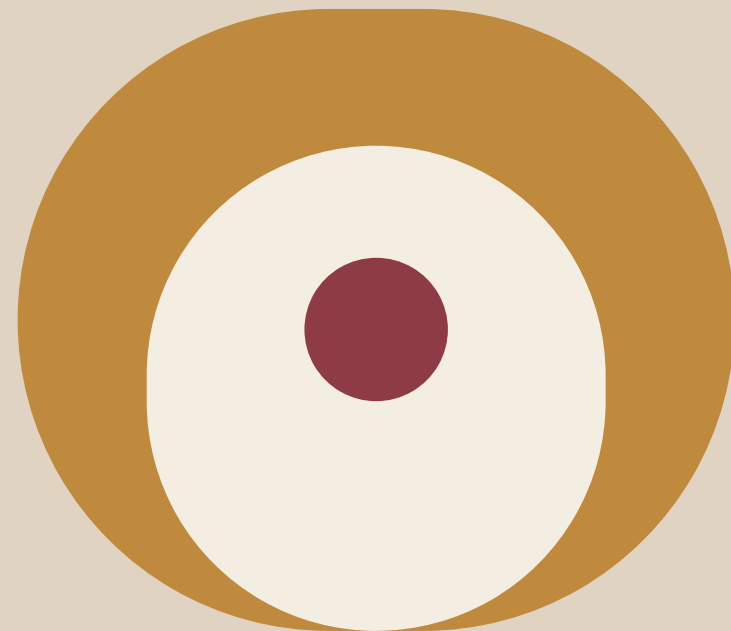
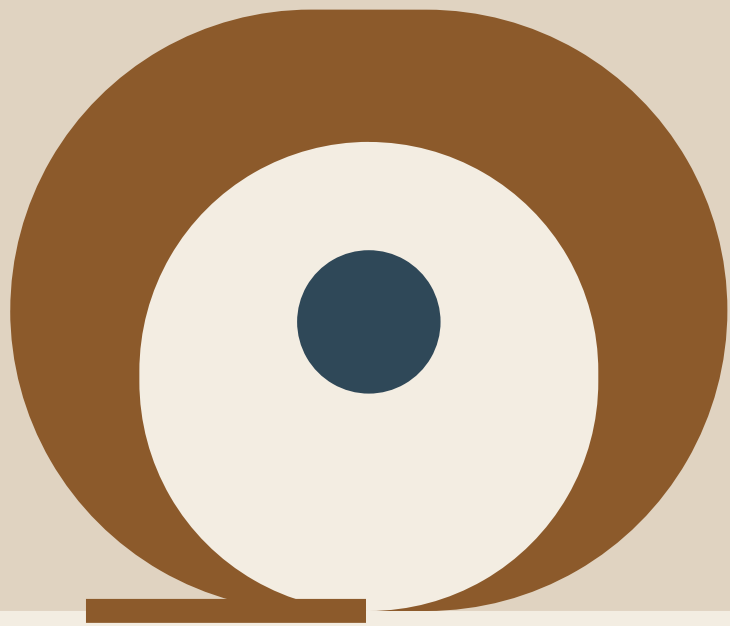




जल संरक्षण

हर बूँद कीमती है

छात्र का नाम • कक्षा 10 – ब • आपके विद्यालय का नाम

Agenda

01 परिचय

02 मुख्य बिंदु

03 विवरण

04 निष्कर्ष



जल संरक्षण क्या है?

पानी को सोच-समझकर उपयोग करना और बर्बादी रोकना ही जल संरक्षण है।

भारत के कई हिस्सों में गर्मियों में पानी की भारी कमी हो जाती है। वर्षा जल संचयन, नदियों की सफ़ाई और रोज़मर्रा की आदतें बदलकर हम इस समस्या को कम कर सकते हैं।



चित्र

तथ्य

मुख्य तथ्य

3%

पृथ्वी का पानी मीठा है

70%

खेती में उपयोग

20 लीटर

नल खुला छोड़ने पर रोज़ बर्बाद

उदाहरण के लिए आँकड़े (सैंपल डेटा)।

पानी बचाने के उपाय



वर्षा जल संचयन

छत का पानी टैंक या गड्ढे में इकट्ठा करें।



टपक सिंचाई

खेतों में कम पानी से ज़्यादा फसल।



घरेलू आदतें

नल बंद रखें, लीक तुरंत ठीक कराएँ।

वर्षा जल संचयन कैसे करें

1

इकट्ठा

छत से पानी जमा करें

2

छानना

फ़िल्टर से साफ़ करें

3

भंडारण

टैंक में सुरक्षित रखें

4

उपयोग

बागवानी और सफ़ाई में

पानी की कमी के कारण

- तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या
- भूजल का अत्यधिक दोहन
- नदियों और तालाबों का प्रदूषण
- पेड़ों की कटाई और कम वर्षा



Image

पहले और अब

पहले

- तालाब और बावड़ियाँ
- कम आबादी
- स्वच्छ नदियाँ

vs

अब

- सूखते जलस्रोत
- बढ़ती माँग
- प्रदूषित नदियाँ

“

जल है तो कल है।

लोकप्रिय कहावत

निष्कर्ष

- पानी सीमित है, इसे बचाना जरूरी है
- छोटी आदतें बड़ा बदलाव लाती हैं
- वर्षा जल संचयन हर घर में अपनाएँ

धन्यवाद

आपके प्रश्नों का स्वागत है।

छात्र का नाम